दिनांक 15 फरवरी, 2019 को बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के प्रथम सीनेट हेतु माननीया राज्यपाल–सह–झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति का अभिभाषण:

विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति डा० अंजनी कुमार श्रीवास्तव, प्रतिकुलपति डा० अनिल कुमार महतो एवं अधिषद् के सदस्यगण!

जोहार!

मुझे विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के अधिषद् के प्रथम बैठक को संबोधित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है। नवस्थापित इस विश्वविद्यालय का सृजन का उद्देश्य व्यापक है। छात्रहित को देखते हुए इस विश्वविद्यालय की स्थापना इस आशय के साथ की गई कि विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय प्रशासन के मध्य दूरियाँ कम हो। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों से जुड़ी हर पहलू का निरंतर बारीकी एवं नज़दीकी से अनुश्रवण कर सकें। हमारे विद्यार्थियों का न केवल ससमय परीक्षा हो और परीक्षा परिणाम का प्रकाशन हो बल्कि गुणवत्तायुक्त सुलभ होने के साथ उन्हें विश्वविद्यालय से संबंधित किसी भी प्रमाण पत्र के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े।

आज का युग ज्ञान आधारित युग है और ज्ञान का सबसे अहम केन्द्र हमारे शिक्षण संस्थान ही हैं। ऐसे में सभी शिक्षण संस्थानों चाहे वो विद्यालय हो या महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय सभी को अपने को उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान के रूप

में स्थापित करने की दिशा में समर्पण भाव से तत्पर रहना होगा। हम सबको इस क्षेत्र में शिक्षा एवं ज्ञान का ऐसा वातावरण सृजित करना है कि यहाँ से पढ़ने हेतु लोगों को पलायन करने पर विवश न होना पड़ें बल्कि अन्य स्थानों से भी विद्यार्थी यहाँ ज्ञानार्जन के लिए आयें।

इस विश्वविद्यालय को UGC द्वारा 2f, All India Survey of Higher Education (AISHE) तथा Association of Indian Universities (AIU) से मान्यता प्राप्त होना प्रसन्नता का विषय है। इस हेतु मैं सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देती हूँ। मुझे अवगत कराया गया है कि वर्तमान में सभी P.G. Dept. स्थानीय पी.के. रॉय कॉलेज के परिसर में संचालित हैं। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के 28 P.G. Departments में पठन-पाठन का कार्य चल रहा है। इनमें से 9 नए विषयों को समसामयिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हाल में प्रारंभ किया गया है।

विश्वविद्यालय ने शिक्षकों की कमी की समस्या को देखते हुए छात्रहित में तत्काल घंटी आधारित अतिथि शिक्षकों की नियुक्तियाँ की है। अवगत कराया गया कि PG Classes की पढ़ाई के साथ-साथ विश्वविद्यालय में शोध- कार्य हेतु कोर्स-वर्क के लिए भी नामांकन हो चुका है तथा कोर्स-वर्क की कक्षाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। शोध की गुणवत्ता किसी भी उच्च-शिक्षण संस्थान की पहचान होती है। हमारे शोधार्थी के मन तथा मस्तिष्क की बातें उनकी शोध में झलकनी चाहिये ताकि उक्त शोध हमें प्रगति की राह में ले जाने हेतु मददगार साबित हो।

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय ने UG और PG कक्षाओं की नामांकन प्रक्रिया में चांसलर पोर्टल का उपयोग करते हुए शत–प्रतिशत पारदर्शिता दिखाई है। जैसा कि मैं निरंतर कहती हूँ कि भारत की उच्च शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्थापित करने के लिए उत्कृष्टता एवं शिक्षा का विस्तार तथा सुगम होना आवश्यक है। इस दिशा में स्थानीय IIT (ISM) एवं Central Institute Of Mining -Fuel Research (CIMFR) तथा BIT, Sindri से MoU करना एक महत्वपूर्ण कदम है। आशा है कि इससे अब विश्वविद्यालय के विद्यार्थीगण इन नामचीन संस्थाओं की प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों तथा अन्य संसाधनों का उपयोग कर पाएंगे। अधिकाधिक युवा उच्च शिक्षा ग्रहण करें, इस दिशा में दो shifts में पढ़ाई करने का निर्णय किया गया है। मुझे अवगत कराया गया कि अभी विश्वविद्यालय के यूजी विभागों में एक लाख से ज्यादा (अंगीभूत महाविद्यालयों में 51603, 27585 छात्राएं) विद्यार्थी हैं। इसी प्रकार पीजी विभागों में– 6026 (4326 छात्राएं) विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। छात्राओं को नामांकन में 3% अतिरिक्त अंक की सुविधा देकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने उच्च शिक्षा में समान अवसर के मानदंड को पूरा करने हेतु एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

अधिषद् के सदस्यों! सारी दुनिया जानती है कि हमारा भारत एक युवा देश है। भारत के संदर्भ में एक और तथ्य दुनिया को ज्ञात है कि हमारे पास समृद्ध परंपराओं और उत्कृष्ट संस्कृति की ऐतिहासिक धरोहर भी है। इन दोनों तथ्यों को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षण संस्थानों पर अहम जिम्मेदारी तय होती है। हमें एक ऐसे भारत को निर्मित करने के लिए प्रयत्नशील रहना

होगा, जहां युवाओं की इतनी बड़ी संख्या ज्ञान, कौशल और संवेदना से युक्त हो, परिश्रमी हो, राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा करने में समर्थ तो हो ही, उनके कंधे इतने सबल हों कि वह हमारी उच्च कोटि की संस्कृति का वहन भी कर सकें। हमें उन्हें इस प्रकार शिक्षित करना है कि विश्वविद्यालय से निकलने के बाद वे इतने कुशल और योग्य हों कि वे ना केवल स्वयं के लिए सम्मानजनक रोजगार हासिल कर सकें बल्कि अपनी मेधा से अन्य लोगों के लिए भी रोजगार का सृजन कर सकें। युवाओं को इतनी बड़ी संख्या के में रोजगार प्रदान करना एक चुनौती है। विश्वविद्यालय अपने यहाँ **campus cell** को क्रियाशील करें। हमारे यहाँ के विद्यार्थियों को अच्छी कम्पनी उनकी मेधा के अनुसार रोजगार प्रदान करे, इसके लिए सचेष्ट हो। वैश्वीकरण के इस युग में हमारे विद्यार्थियों में प्रतियोगिता की भावना अधिक-से-अधिक विकसित करने की दिशा में सार्थक प्रयास हों तथा गुरू-शिष्य संबंध मधुर हो। हमारे विद्यार्थी शिक्षक के आचरण से प्रभावित हों। शिक्षण संस्थानों में स्वच्छ एवं निर्भिक वातावरण हो। सर्वस्व ज्ञान की बात हो। विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में आधारभूत संरचना की उपलब्धता हो।

युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में नियमित रूप से पठन-पाठन के अतिरिक्त आयोजित होने वाली अन्यान्य गतिविधियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा किए जाने वाले सामाजिक कार्य, राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स के द्वारा राष्ट्र निर्माण एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किए गए कार्य तथा युवा- महोत्सव जैसे बड़े सांस्कृतिक आयोजनों के अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर

आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएँ आदि इसी तरह की गतिविधियाँ है। खेलकूद के आयोजन युवाओं में सामाजिक, राष्ट्रीय एवं मानवीय मूल्यों की प्रतिस्थापना के संचार हेतु आवश्यक हैं। मुझे जानकर अत्यंत खुशी हुई कि अल्प समय में ही इस विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी विभिन्न गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन किया है। प्रसन्नता है कि चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव की 2 प्रतियोगिताओं में इस विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने पूरे देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। आज उनकी उपलब्धि के लिए उन्हें पुरस्कृत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हुआ। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय ने अपने website पर Blood Donor List Upload किया है, जिसमें रक्तदान हेतु 696 छात्रों की विवरणी उपलब्ध है।

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्न्ता हो रही है कि विश्वविद्यालय के विभिन्न राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों ने लगातार समाज सुधार एवं जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए हैं। धोखड़ा, नावाडीह, बड़ा जमुआ और रंगुनी गाँवों को गोद लेकर वहां सामाजिक सुधार, जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रमों का आयोजन स्वयंसेवकों के द्वारा किया जाने वाला सराहनीय प्रयास है। गर्मी की छुट्टियों में स्वयंसेवकों के द्वारा 100–100 घंटे "Summer Internship" के तहत स्वच्छता अभियान के लिए वक्त देना अत्यंत प्रशंसनीय है। उल्लेखनीय है कि Best Intern of Jharkhand का पुरस्कार भी इसी विश्वविद्यालय के छात्र को मिला है। खेल–कूद की गतिविधियों में भी यह विश्वविद्यालय अग्रणी है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास से और विश्वविद्यालय प्रशासन के कुशल नेतृत्व और निर्देशन से हम बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय को न केवल देश के नक्शे पर बल्कि विश्व के नक्शे पर एक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय के रूप में निर्मित करने में सफल होंगे ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!